प्रेस विज्ञप्ति

रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर जुलाई में आईआईटी मंडी का निःशुल्क समर कैंप

हिमाचल प्रदेश के मान्यता प्राप्त स्कूलों में नामांकित कक्षा 11 और 12 के सभी विद्यार्थी 15 अप्रैल 2022 तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। कैंप के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा।

मंडी, 14 मार्च, 2022 : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी अपने कैम्पस में रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का समर कैम्प आयोजित करेगा। हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम (एचपीकेवीएन), शिमला के सहयोग से जुलाई 2022 में आयोजित कैंप में विद्यार्थियों को रोबोटिक्स और एआई सीखने का पूरा अवसर मिलेगा। तेजी से उभरते इस क्षेत्र की बुनियादी जानकारी के साथ प्रायोगिक अनुभव का लाभ दिया जाएगा। चुने गए सौ विद्यार्थियों के लिए यह बुनियादी सिद्धांत सीखने और कल्पना को वास्तविक जीवन के प्रोजेक्ट में साकार करने का सुअवसर होगा।

हिमाचल प्रदेश के मान्यता प्राप्त स्कूलों में नामांकित कक्षा 11 और 12 के सभी विद्यार्थी कैम्प के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। कैम्प के लिए नामांकन केवल स्कूलों के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। व्यक्तिगत आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रवेश परीक्षा 1 मई, 2022 को होगी। यह 10+2 स्तर के गणित, भौतिकी और जेनरल एप्टिच्यूड की परीक्षा होगी। परिणाम मई के अंतिम सप्ताह में घोषित किए जाएंगे जिनके आधार पर कैम्प के लिए विद्यार्थी चुने जाएंगे। चुने गए विद्यार्थियों को आईआईटी मंडी कैम्पस में छोटी अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। कैम्प के दौरान विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट डेवलप करने का अवसर मिलेगा।

सतत शिक्षा केंद्र (सीसीई), आईआईटी मंडी के प्रमुख डॉ. तुषार जैन ने स्कूल के विद्यार्थियों के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी के सतत शिक्षा केंद्र (सीसीई) द्वारा संस्थान के अंदर समर कैम्प लगाने की सहर्ष घोषणा की। इसमें विद्यार्थियों को उत्कृष्ट दिग्दर्शकों (मेंटरों) से सीखने का अवसर मिलेगा। प्रौद्योगिकी का उपयोग कर जिन्दगी बेहतर बनाने के लिए इनोवेशन और प्रोडक्ट विकास करने का यह अभूतपूर्व अवसर है।"

डॉ तुषार जैन ने बताया, "आज हम जो प्रोडक्ट बाजार से खरीदते और दैनिक जीवन में उपयोग करते हैं उनका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सिस्टम में स्मार्टनेस आम तौर पर अभिन्न अंग होते हैं। इनके बिना सब कुछ गुजरे जमाने का लगता है। आईआईटी मंडी का प्रयास इस दिशा में युवा पीढ़ी को तैयार कर पूरे समाज को जागरूक करना है।

चुने गए सर्वोच्च 100 विद्यार्थी सीखेंगे :

1) बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स जिसमें शामिल हैं माइक्रोकंट्रोलर, इलेक्ट्रॉनिक्स की बुनियादी जानकारी, सेंसर का उपयोग, डीसी मोटर का उपयोग, माइक्रोकंट्रोलर युक्त स्टेपर मोटर और सर्वो मोटर, नेटवर्क और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), वाईफाई और ब्लूटूथ।

2) बेसिक प्रोग्रामिंग जिसमें शामिल हैं प्रोग्रामिंग लैंग्वेज़ (डेटा टाइप, ऑपरेटर, बुनियादी गणित, कंडिशनल स्टेटमेंट, लूप, फ़ंक्शन)।

3) सी++/पायथन का परिचय माइक्रोकंट्रोलर प्रोग्रामिंग के साथ। विद्यार्थी टिंकरकैड का उपयोग करना सीखेंगे ताकि प्रोग्रामिंग नियंत्रकों और लिनक्स की बुनियादी जानकारी मिले।

4) मशीन लर्निंग और एआई के बुनियादी सिद्धांत जिनके तहत विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण एप्लीकेशन सिखाए जाएंगे जैसे ऑब्जेक्ट डिटेक्शन, इमेज सेगमेंटेशन आदि।

5) जेटसन प्लेटफॉर्म का परिचय, एनवीडीआईए जेटसन नैनो का उपयोग ताकि पहले से एआई जाने बिना मशीन लर्निंग मॉडल जैसे योलो, रेसनेट, आदि का उपयोग सीखें।

समर कैंप दो चरणों का होगा। चरण एक में शिक्षकों और विद्यार्थियों का मेंटरशिप आधारित प्रोग्राम होगा। दूसरे चरण में विद्यार्थियों को इनोवेटिव प्रोजेक्ट करने को मिलेगा। प्रोग्राम पूरा करने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त एक प्रतियोगिता आयोजित कर सर्वश्रेष्ठ तीन प्रोजेक्ट को पुरस्कृत किया जाएगा।

कैम्प में भाग लेने का कोई शुल्क नहीं है। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण किट प्रदान किए जाएंगे।

अन्य जानकारी के लिए कृपया schoolcamp@iitmandi.ac.in पर ईमेल करें

###

About IIT Mandi

IIT Mandi has four Academic Schools and three major Research Centers. The schools are: School of Computing and Electrical Engineering, School of Basic Sciences, School of Engineering, and School of Humanities and Social Sciences. The Centers are: Advanced Materials Research Centre (AMRC; set up with an investment of Rs. 60 crores), Centre for Design and Fabrication of Electrical Devices (C4DFED; has Rs. 50 crores worth of fabrication tools), and BioX Centre (has acquired research equipment worth Rs. 15 crores).

The unique, project-oriented B.Tech. curriculum is centred around its 4-year long Design and Innovation stream. From August 2019, IIT Mandi started 3 new and unique B. Tech. programmes in Data Science and Engineering, Engineering Physics, and Dual Degree in Bioengineering. Since the inception of the Institute, IIT Mandi faculty have been involved in over 275 Research and Development (R&D) projects worth more than Rs. 120 crore.

IIT Mandi set up the IIT Mandi iHub and HCI Foundation (iHub; a section-8 company) on its campus at Kamand with significant funding of INR 110 crores from the Department of Science and Technology (DST), Government of India. The iHub is planned to fuel research and technology development, skill development, startup and innovation, and collaborations in the HCI and allied AI/ML areas in India. IIT Mandi is the only second-generation IIT to be featured at rank no. 7 in the Atal Ranking of Institutions on Innovation Achievements of the Innovation Cell, Ministry of Education, Govt. of India.

Twitter: @iit__mandi
Facebook: IIT Mandi
Website: https://www.iitmandi.ac.in

MEDIA CONTACT FOR IIT MANDI:
IIT Mandi Media Cell: mediacell@iitmandi.ac.in / **Landline:** 01905267832

Bhavani Giddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com
Shai Venkatraman - Footprint Global Communications
Cell: 98202 98587 / Email: shai.venkatraman@footprintglobal.com
Kajal Yadav - Footprint Global Communications
Cell: 88059 66194 / Email ID: kajal.yadav@footprintglobal.com
Vishwani Mahajan - Footprint Global Communications
Cell: 98733 52293/ Email ID: vishwani.mahajan@footprintglobal.com